

# INDIAN DIASPORA

Recently, a Parliamentary Panel criticized the government over the absence of a “Clear-Cut” Policy on engaging with the Indian Diaspora.

## Key Points

### About Indian Diaspora

Indian Diaspora is a generic term used for addressing people who have migrated from the territories that are currently within the borders of the Republic of India.

It constitutes NRIs (Non-resident Indians) and PIOs (Persons of Indian origins).

The 2015 International Migration Report estimated that 16 million Indians lived abroad, making it the second largest diaspora in the world.

### India's Policy towards Diaspora:

- Jawaharlal Nehru, India's first Prime Minister, pursued a policy of “active dissociation” from the Indian diaspora.
  - He was concerned that connecting with and advocating for, them would impair the sovereignty of host countries.
- However, the policy of reaching out to the Indian diaspora began in earnest during the tenure of Atal Bihari Vajpayee.
  - It was under NDA-I that Pravasi Bharatiya Divas(PBD) was first launched in 2003.
- The Modi government has brought the merger of PIO (Persons of Indian Origin) and OCI (Overseas Citizenship of India), which has been a long-standing demand of the Indian community.

### Major Issues pertaining to Indian Diaspora:

- Dual Citizenship: The majority of the Indian diaspora want to retain their Indian citizenship along with the citizenship of the country of their residence.
- Consular issues: The commonest grievance of the Diaspora is the ill treatment, harassment and the demands for illegal gratification it encounters at the hands of our customs and immigration officials at the points of entry.

### Significance of Indian Diaspora:

- Indians contribute 13% of global remittances and the remittance sent by Indians back to India amount to approximately 3.2% of the Indian GDP.
- Members of the Diaspora are a major asset to intelligence agencies inimical to India.
- Diaspora philanthropy has played an important role in education, healthcare and rural development.
- They are the most important tool for India's soft power diplomacy.
- The importance of Diasporas extends to knowledge transfer, the sharing of resources, acting as unofficial Indian ambassadors and pushing for India's interests abroad.
- The dominance of Indians in computer software, particularly in Silicon Valley, has **strengthened the image of India** as a technology powerhouse.
- With a focus on 'Make in India', the Indian diaspora can be facilitated to contribute to the Indian development story by investing in greenfield and brownfield projects,

### Suggestions to Boost Connect with Indian Diaspora:

- The Indian Council for Cultural Relations (ICCR) should deepen its linkages with the Diaspora.
- The scope and activities of the Cultural Centres in countries with a substantial Indian presence should be expanded.
- Initiatives for establishing sister city relationships by NRIs or PIOs should be supported
- The Birthright Israel programme which assists the younger generation of the Jewish Diaspora to visit Israel and learn about their cultural roots should be emulated.

### Conclusion:

- Indian Diaspora has an impact on India's foreign policy. They are an important factor in the bilateral relationship with the countries where they have a significant presence.
- Overseas Indians also benefit immensely from the standing of India in the international arena.
- The prestige and strength of India have a direct impact on the position of the Diaspora in the countries of their settlement.
- In a nutshell, the destinies of India and its Diaspora are intertwined. It is in the interest of both India and her Diaspora to develop a mutually beneficial relationship.

# भारतीय डायस्पोरा

हाल ही में, एक संसदीय पैनल ने भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ जुड़ने पर “स्पष्ट” नीति के अभाव पर सरकार की आलोचना की।

## प्रमुख बिंदु

### भारतीय डायस्पोरा के बारे में

भारतीय डायस्पोरा एक सामान्य शब्द है जिसका उपयोग उन लोगों को संबोधित करने के लिए किया जाता है जो उन क्षेत्रों से पलायन कर चुके हैं जो वर्तमान में भारत गणराज्य की सीमाओं के भीतर हैं।

इसमें एनआरआई (अनिवासी भारतीय) और पीआईओ (भारतीय मूल के व्यक्ति) शामिल हैं।

2015 की अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन रिपोर्ट का अनुमान है कि 16 मिलियन भारतीय विदेशों में रहते हैं, जिससे यह दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी है।

### डायस्पोरा के प्रति भारत की नीति:

- भारत के पहले प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने भारतीय प्रवासी से “सक्रिय पृथक्करण” की नीति अपनाई
  - उन्हें चिंता थी कि उनके साथ जुड़ने और उनका पक्ष लेने से मेजबान देशों की संप्रभुता प्रभावित होगी।
- हालाँकि, भारतीय प्रवासी तक पहुँचने की नीति अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल के दौरान शुरू हुई।
- यह एनडीए-1 के तहत था कि प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) पहली बार 2003 में शुरू किया गया था।
- मोदी सरकार PIO (पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन) और OCI (ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया) का विलय लाई है, जो भारतीय समुदाय की लंबे समय से मांग रही है।

### भारतीय डायस्पोरा से संबंधित प्रमुख मुद्दे:

- दोहरी नागरिकता: बहुसंख्यक भारतीय प्रवासी अपने निवास के देश की नागरिकता के साथ-साथ अपनी भारतीय नागरिकता को बरकरार रखना चाहते हैं।
- कांसुलर से संबंधित मुद्दे: डायस्पोरा की सबसे आम शिकायत दुर्व्यवहार, उत्पीड़न और हमारे सीमा शुल्क और आव्रजन अधिकारियों के हाथों अवैध पैसों की मांग है।

## भारतीय डायस्पोरा का महत्व:

- भारतीय वैश्विक प्रेषण में 13% का योगदान करते हैं और भारतीयों द्वारा भारत वापस भेजे गए प्रेषण की राशि भारतीय सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 3.2% है।
- भारतीय प्रवासी भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण खुफिया एजेंसियों के लिए एक प्रमुख संपत्ति हैं।
- डायस्पोरा परोपकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- वे भारत की सॉफ्ट पावर कूटनीति के लिए सबसे महत्वपूर्ण जरिया हैं।
- डायस्पोरा का महत्व ज्ञान हस्तांतरण, संसाधनों को साझा करने, अनौपचारिक भारतीय राजदूतों के रूप में कार्य करने और विदेशों में भारत के हितों को आगे बढ़ाने तक है।
- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर में भारतीयों के प्रभुत्व, विशेष रूप से सिलिकॉन वैली में, **ने भारत की छवि को एक प्रौद्योगिकी महाशक्ति** के रूप में मजबूत किया है।
- 'मेक इन इंडिया' पर ध्यान देने के साथ, प्रवासी भारतीयों को ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परियोजनाओं में निवेश करके भारतीय विकास में योगदान देने के लिए सुविधा प्रदान की जा सकती है।

### भारतीय डायस्पोरा के साथ जुड़ाव बढ़ाने के सुझाव:

- भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR) को प्रवासी भारतीयों के साथ संबंधों को गहरा करना चाहिए।
- पर्याप्त संख्या में भारतीय प्रवासियों वाले देशों में सांस्कृतिक केंद्रों के दायरे और गतिविधियों का विस्तार किया जाना चाहिए।
- एनआरआई या पीआईओ द्वारा सिस्टर सिटी संबंध स्थापित करने की पहल का समर्थन किया जाना चाहिए।
- जन्मसिद्ध इज़राइल कार्यक्रम जो यहूदी डायस्पोरा की युवा पीढ़ी को इज़राइल की यात्रा करने और उनकी सांस्कृतिक जड़ों के बारे में जानने में सहायता करता है, का अनुकरण किया जाना चाहिए।

### निष्कर्ष:

- भारतीय डायस्पोरा का भारत की विदेश नीति पर प्रभाव पड़ता है। वे उन देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण कारक हैं जहां उनकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।
- प्रवासी भारतीयों को भी अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भारत की स्थिति से अत्यधिक लाभ होता है।
- भारत की प्रतिष्ठा और ताकत का अन्य देशों में भारतीय प्रवासियों की स्थिति पर सीधा प्रभाव पड़ता है।
- संक्षेप में, भारत और उसके प्रवासियों की नियति आपस में जुड़ी हुई है। पारस्परिक रूप से लाभप्रद संबंध विकसित करना भारत और उसके प्रवासी दोनों के हित में है।